

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा – वरिष्ठोपाध्याय:

विषय – साहित्यशास्त्रम् (vu87)

अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांक –80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|------------|--------|---------|
| 1. | ज्ञान | 26 | 32.50% |
| 2. | अवबोध | 16 | 20% |
| 3. | अभिव्यक्ति | 22 | 27.50% |
| 4. | मौलिकता | 16 | 20% |
| योग | | 80 | 100% |

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

| क्र. सं. | प्रश्नों का प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक प्रतिशत | प्रतिशत प्रश्नों का | संभावित समय |
|----------|------------------------|--------------------|------------------|-----------------|---------------------|-------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 12 | 1 | 15% | 24% | 20 मिनट |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न | 18 | 1 | 22.50% | 36% | 27 मिनट |
| 3. | लघूत्तरात्मक प्रश्न | 13 | 2 | 32.50% | 26% | 56 मिनट |
| 4. | दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 4 | 3 | 15% | 8% | 46 मिनट |
| 5. | निबंधात्मक प्रश्न | 3 | 4 | 15% | 6% | 46 मिनट |
| योग | | 50 | | 100% | 100% | 195 मिनट |

3. विषय वस्तु का अंकभार –

| क्र.सं. | विषय वस्तु | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|--------------------------|--------|---------|
| 1 | चन्द्रालोकः- | | |
| | पंचममयूखः | 10 | 12.50 |
| | षष्ठमयूखः | 10 | 12.50 |
| | सप्तममयूखः | 7 | 08.75 |
| | अष्टममयूखः | 5 | 06.25 |
| | नवममयूखः | 5 | 06.25 |
| | दशममयूखः | 3 | 03.75 |
| 2 | मेघदूतम् | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | 9 | 11.25 |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | 9 | 11.25 |
| | कविपरिचयः ग्रन्थपरिचयश्च | 2 | 02.50 |
| 3 | प्रतिमानाटकम् | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | 8 | 10 |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | 5 | 06.25 |
| | अंकसारःचरित्रचिणञ्च | 3 | 03.75 |
| | प्रयुक्तछन्दांसि | 4 | 05.00 |
| | कुल | 80 | 100% |

प्रश्न-पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय :- साहित्य-शास्त्रम्

पूर्णांक - 56

कक्षा - वरिष्ठोपाध्यायः

| क्र. सं. | उद्देश्य इकाई/उप इकाई | ज्ञान | | | | | अवबोध | | | | | ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति | | | | | कोशल/मौलिकता | | | | | योग |
|----------|--------------------------|------------|----------|--------------|--------------|-------------|------------|----------|--------------|--------------|-------------|-----------------------|----------|--------------|--------------|-------------|--------------|----------|--------------|--------------|-------------|--------|
| | | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु. | लघूत्तरात्मक | दीर्घात्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु. | लघूत्तरात्मक | दीर्घात्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु. | लघूत्तरात्मक | दीर्घात्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु. | लघूत्तरात्मक | दीर्घात्तरीय | निबन्धात्मक | |
| 1 | चन्द्रालोकः- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | पञ्चममयूखः | 2(1) | 2(-) | | | | | 2(1) | | | | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | 10(4) |
| | षष्ठममयूखः | 2(-) | | | | | 2(1) | | | | 1(-) | | | 3(1) | | | | 2(1) | | | | 10(3) |
| | सप्तममयूखः | | | | 4(1) | 1(-) | | | | | 2(-) | | | | | | | | | | | 7(1) |
| | अष्टममयूखः | 1(-) | 2(-) | | | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | 5(1) |
| | नवममयूखः | | | | | | 2(-) | | 3(1) | | | | | | | | | | | | | 5(1) |
| | दशममयूखः | | | 2(1) | | 1(-) | | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) |
| 2 | मेघदूतम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | | | | 4(1) | | | | | | | | 3(1) | | | | | 2(1) | | | | 9(3) |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | | | 2(1) | | | 3(-) | | | | 2(-) | 2(1) | | | | | | | | | | 9(2) |
| | कविपरिचयः ग्रन्थपरिचयश्च | | | | | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | 2(1) |
| 3 | प्रतिमानाटकम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | | 4(1) | | | | | | | | 8(3) |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | | 3(-) | | | | | | | | 2(-) | | | | | | | | | | | 5(-) |
| | अंकसारःचरित्रचिणञ्च | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | | 3(1) |
| | प्रयुक्तछन्दांसि | | | | | | | | | | | | | | | | | 4(2) | | | | 4(2) |
| | योग | 5(1) | 7(-) | 6(3) | | 8(2) | 2(-) | 7(1) | 4(2) | 3(1) | | 5(-) | 2(-) | 4(2) | 6(2) | 4(1) | | 2(1) | 12(6) | 3(1) | | 80(23) |
| | सर्वयोग | 26(6) | | | | | 16(4) | | | | | 21(5) | | | | | 17(8) | | | | | 80(23) |

विकल्पों की योजना :- प्र.सं. 17 से 23 में एक आंतरिक विकल्प है।

नोट:- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

नोट :-

01. प्रश्न संख्या 1 में 12 प्रश्न समाहित हैं।
02. प्रश्न संख्या 2 में 06 प्रश्न समाहित हैं।
03. प्रश्न संख्या 3 में 12 प्रश्न समाहित हैं।

हस्ताक्षर

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा – वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः – साहित्यशास्त्रम् (vu87)

अवधिः – 3 घण्टे 15 मिनट (सपादहोरात्रयम्)

पूर्णांकाः –80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः –

| क्र.सं. | उद्देश्यम् | अंकभारः | प्रतिशतम् |
|---------|-------------|---------|-----------|
| 1. | उद्देश्यम् | 26 | 32.50% |
| 2. | ज्ञानम् | 16 | 20% |
| 3. | अवबोधः | 22 | 27.50% |
| 4. | अभिव्यक्तिः | 16 | 20% |
| योगः | | 80 | 100% |

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः –

| क्र. सं. | प्रश्नानां प्रकाराः | प्रश्नानां संख्याः | प्रतिप्रश्नम् अंकाः | कुल-अंकाः% | प्रश्नानां प्रतिशतम् | सम्भावित-: समयः |
|----------|--------------------------|--------------------|---------------------|------------|----------------------|-----------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ-प्रश्नाः | 12 | 1 | 15% | 24% | 20 निमेषाः |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मक-प्रश्नाः | 18 | 1 | 22.50% | 36% | 27 निमेषाः |
| 3. | लघूत्तरात्मक-प्रश्नाः | 13 | 2 | 32.50% | 26% | 56 निमेषाः |
| 4. | दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 4 | 3 | 15% | 8% | 46 निमेषाः |
| 5. | निबंधात्मक-प्रश्नाः | 3 | 4 | 15% | 6% | 46 निमेषाः |
| योगः | | 50 | | 100% | 100% | 195 निमेषाः |

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः –

| क्र.सं. | विषय वस्तु | अंकभार | प्रतिशत |
|----------|--------------------------|--------|---------|
| 1 | चन्द्रालोकः- | | |
| | पंचममयूखः | 10 | 12.50 |
| | षष्ठमयूखः | 10 | 12.50 |
| | सप्तममयूखः | 7 | 08.75 |
| | अष्टममयूखः | 5 | 06.25 |
| | नवममयूखः | 5 | 06.25 |
| | दशममयूखः | 3 | 03.75 |
| 2 | मेघदूतम् | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | 9 | 11.25 |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | 9 | 11.25 |
| | कविपरिचयः ग्रन्थपरिचयश्च | 2 | 02.50 |
| 3 | प्रतिमानाटकम् | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | 8 | 10 |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | 5 | 06.25 |
| | अंकसारःचरित्रचिणञ्च | 3 | 03.75 |
| | प्रयुक्तछन्दांसि | 4 | 05.00 |
| सर्वयोगः | | 80 | 100% |

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम् (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा — वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः — साहित्य-शास्त्रम्

पूर्णांकाः — 80

| क्र. सं. | उद्देश्यविधाः/उपविधाः | ज्ञानम् | | | | | अवबोधः | | | | | ज्ञानोपयोगः/अभिव्यक्तिः | | | | | कौशलम्/मौलिकता | | | | | योगः |
|----------|--------------------------|-------------|----------|---------------|---------------|--------------|-------------|----------|---------------|---------------|--------------|-------------------------|----------|---------------|---------------|--------------|----------------|----------|---------------|---------------|--------------|--------|
| | | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | |
| 1 | चन्द्रालोकः— | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | पञ्चममयूखः | 2(1) | 2(-) | | | | | 2(1) | | | | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | 10(4) |
| | षष्ठममयूखः | 2(-) | | | | | 2(1) | | | | 1(-) | | | 3(1) | | | | 2(1) | | | | 10(3) |
| | सप्तममयूखः | | | | 4(1) | 1(-) | | | | | 2(-) | | | | | | | | | | | 7(1) |
| | अष्टममयूखः | 1(-) | 2(-) | | | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | 5(1) |
| | नवममयूखः | | | | | | 2(-) | | 3(1) | | | | | | | | | | | | | 5(1) |
| | दशममयूखः | | | 2(1) | | 1(-) | | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) |
| 2 | मेघदूतम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | | | | 4(1) | | | | | | | | | 3(1) | | | | 2(1) | | | | 9(3) |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | | | 2(1) | | | 3(-) | | | | 2(-) | | 2(1) | | | | | | | | | 9(2) |
| | कविपरिचयः ग्रन्थपरिचयश्च | | | | | | | | | | | | | | | | | 2(1) | | | | 2(1) |
| 3 | प्रतिमानाटकम् | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | व्याख्या-भावार्थाः | | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | | 4(1) | | | | | | | | 8(3) |
| | विषयवस्तुप्रश्नाः | | 3(-) | | | | | | | | 2(-) | | | | | | | | | | | 5(-) |
| | अंकसारःचरित्रचिणञ्च | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | | 3(1) |
| | प्रयुक्तछन्दांसि | | | | | | | | | | | | | | | | | 4(2) | | | | 4(2) |
| | योगः | 5(1) | 7(-) | 6(3) | | 8(2) | 2(-) | 7(1) | 4(2) | 3(1) | | 5(-) | 2(-) | 4(2) | 6(2) | 4(1) | | 2(1) | 12(6) | 3(1) | | 80(23) |
| | सर्वयोगः | 26(6) | | | | | 16(4) | | | | | 21(5) | | | | | 17(8) | | | | | 80(23) |

विकल्प-योजना :- प्र.सं. 17 तः 23 प्रश्नेषु एक आंतरिकविकल्पः अस्ति।

अवधेयम्— कोष्ठकाद् बहिः संख्या अंकबोधिका आंतरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका।

अवधेयम्—

01. प्रश्नसंख्या प्रथमे 12 प्रश्नाः समाहिताः सन्ति।
02. प्रश्नसंख्या द्वितीये 06 प्रश्नाः समाहिताः सन्ति।
03. प्रश्नसंख्या तृतीये 12 प्रश्नाः समाहिताः सन्ति।

नामांक

Rool No

| | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|

No. of Questions-23

No. of printed Pages –

कक्षा – वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः– साहित्यशास्त्रम्,कोड-87

वरिष्ठोपाध्यायपरीक्षा-2023

समयः – 3:15 होराः

पूर्णांकाः 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः-

- (1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांकः अनिवार्यतो लेख्यः।
- (2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
- (3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेख्यानि।
- (4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्रैव लेख्यानि।
- (5) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेनैव लेखनीयानि।

मॉडल प्रश्नपत्र (आदर्शप्रश्नपत्रम्)

कक्षा – वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः— साहित्यशास्त्रम्, कोड—87

समयः – 3:15 होराः

पूर्णांकाः 80

खण्डः – "अ"

1. वस्तुनिष्ठप्रश्नाः –

- (i) 'क्रियादिभिरनेकस्य तुल्यतायाम् अलंकारो भवति— 1
(अ) दृष्टान्तालंकारः (ब) तुल्ययोगितालंकारः(स)व्यतिरेकालंकारः (द)विकस्वरालंकारः
- (ii) एकपदार्थस्य अनेकत्र समन्वये सति अलंकारो भवति – 1
(अ) समुच्चयः (ब)परिवृत्तिः (स)विकल्पः (द)पर्यायः
- (iii) आलस्येष्वर्थाजुगुप्साख्याः संचारिभावा वर्ज्या भवन्ति— 1
(अ)शृंगाररसे (ब)करुणरसे (स)रौद्ररसे (द)वीररसे
- (iv) उत्साहाख्यस्थायिभावो रसः विद्यते – 1
(अ)अद्भुतः (ब)शान्तः (स)वीरः (द)हास्यः
- (v) चन्द्रालोकानुसारं रीतयः स्मृताः – 1
(अ)तिस्रः (ब)चतस्रः (स)पंच (द)सप्त
- (vi) स्वांकुरितव्यंग्यं भवति— 1
(अ) चतुर्विधम् (ब) एकविधम् (स) त्रिविधम् (द) द्विविधम्
- (vii) 'अन्यथा तु गुणीभूतव्यंग्यमापतितम्' तत् कतिधा? 1
(अ) पंचधा (ब) त्रिधा (स) एकधा (द)द्विधा
- (viii) संज्ञया अभिधायाः उदाहरणमस्ति— 1
(अ) डित्थः (ब) पाचकः (स)कंसः (द) नीलः
- (ix) शम्भोः केशग्रहणमकरोत्— 1
(अ) देवांगना (ब) सगरतनया (स) अलका (द)जहनोः कन्या
- (x) अध्वश्रमपरिगतं मेघं सानुमान् साधु मूर्ध्ना वक्ष्यति— 1
(अ)आम्रकूटः (ब)देवगिरिः (स)रामगिरिः (द) चित्रकूटः
- (xi) प्रतिमानाटकस्य रचयितास्ति— 1
(अ)माघः (ब)भासः (स) भवभूतिः (द)शूद्रकः

(xii) दशरथस्य राज्ञ्यः आसन्— 1
(अ)तिस्रः (ब)चतस्रः (स)पंच (द)सप्त

2. रिक्तस्थानानि पूरयत—

- (i)श्लेषकाकुभ्यां वाच्यार्थान्तरकल्पनम्। 1
(ii) अजरामरता कस्य नायोध्येवप्रिया। 1
(iii) संभोगो विप्रलम्भश्च.....द्विविधो मतः। 1
(iv) कश्चित् साधारणः कस्यचिदामन्त्र्य। 1
(v) वक्रयदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशाम्। 1
(vi) शून्यः प्राप्तो यदि रथो भग्नोमनोरथः। 1

3. अतिलघूत्तरात्मप्रश्नाः—

- (i) 'या दातुः सौम्यता सेयं सुधांशोरकलंकता' इत्यत्र कोऽलंकारो विद्यते? 1
(ii) 'वाक्ययोरर्थसामान्ये ऐक्यारोपे सति' कोऽलंकारः? 1
(iii) समासरहिता रीतिः का? 1
(iv) रसभाव—तदाभासप्रमुखः इति कस्य ध्वनेः भेदः अस्ति ? 1
(v) अर्थान्तरसंक्रमितादिकं किं कलयेत् ? 1
(vi) 'संश्रित्य तरणिं धीरास्तरन्ति व्याधिवाशिन्' इति कस्य गुणीभूतव्यंग्यस्योदाहरणम्? 1
(vii) चन्द्रालोके लक्षणा कस्मिन् मयूखे वर्णिता ? 1
(viii) प्रयोजनभेदेन लक्षणा कतिधा ? 1
(ix) वत्सराजः कस्य प्रियदुहितरं जहने ? 1
(x) जहनोः कन्या का आसीत् ? 1
(xi) दशरथस्य ज्येष्ठात्मजः कः ? 1
(xii) कस्याः शकसमो भर्ता ? 1

खण्डः—“ब”

4. 'तद्भक्तानां नमत्यंगं भंगमेति भवक्लमः' इत्यत्र कोऽलंकारः? तल्लक्षणं लेखनीयम्। 2
5. 'गतेऽपि सूर्ये दीपस्थास्तमश्छिन्दन्ति तत्कराः' इत्यत्र कोऽलंकारः? तल्लक्षणं लेखनीयम्। 2
6. शान्तरसस्य स्वरूपं प्रकटयत। 2
7. गुणीभूतव्यंग्यकाव्यं कुत्र भवति ? 2
8. अभिधावृत्तेः स्वरूपं प्रकटयत। 2

9. 'रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय ' सूक्तेः भावार्थो लेख्यः । 2
10. उज्ययिन्यामभिसारिकाणां स्थितिं विवेचयत । 2
11. कैलासपर्वतस्य वर्णनं मेघदूतानुसारं करणीयम् । 2
12. मेघदूतस्य नामकरणे किं वैशिष्ट्यम् ? 2
13. 'आदर्शे वल्कलानीव किमेते सूर्यरश्मयः' इति पंक्तेः सप्रसंग-व्याख्या करणीया । 2
14. "स्वः पुत्रः कुरुते पितुर्यदि वचः कस्तत्र भो विस्मयः" इति सूक्तेः भावार्थो लेखनीयः । 2
15. 'रेणुः समुत्पतति लोध्रसमानगौरः' इत्यत्र गणचिह्नानि योजयित्वा छन्दोनाम लेखनीयम् । 2
16. 'समुदितबलवीर्यं रावणं नाशयित्वा' इत्यत्र छन्दः परिचीय तल्लक्षणं लेखनीयम् । 2

खण्डः—“स”

17. निम्नलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः व्याख्या करणीया । 3
- (क) रेफाक्रान्ता वर्ग्ययणाष्टवर्गात्पंचामादृते ।
कपाकान्तस्तवर्गः स्यात्प्रौढायां च कमूर्धता ।।
- (ख) हासस्थायी रसो हास्यो विभावाद्यैर्यथाक्रमम् ।
वैरूप्यफुल्लगण्डत्वावहित्थाद्यैः समन्वितः ।।
18. निम्नलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः व्याख्या करणीया । 3
- (क) शब्दे पदार्थे वाक्यार्थे संख्यायां कारके तथा ।
लिंगे चेत्यमलंकारांऽकुरबीजतया स्थिता ।।
- (ख) तथा सहेतुरतथा भेदभिन्ना च कुत्रचित् ।
सौन्दर्येणैष कन्दर्पः सा च मूर्तिमती रतिः ।।
19. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसंगभावार्थो लेखनीयः । 3
- (क) हित्वा हालामभिमतरसां रेवतीलोचनांकाम्,
बन्धुप्रीत्या समरविमुखो लांगली याः सिसेव ।
कृत्वा तासामभिगममपां सौम्य! सारस्वतीना-
मन्तःशुद्धस्त्वमपि भविता वर्णमात्रेण कृष्णः ।
अथवा
- (ख) आसीनानां सुरभितशिलं नाभिगन्धैर्मृगाणां,
तस्या एव प्रभवमचलं प्राप्य गौरं तुषारैः ।
वक्ष्यस्यध्वश्रमविनयने तस्य शृंगे निषण्णः,
शोभां शुभ्रत्रिनयनवृषोत्खातपंकोपमेयाम् ।।
20. प्रतिमानाटकस्य चतुर्थांकस्य कथासारो लेखनीयः । 3
- अथवा
महाराजदशरथस्य चरित्रचित्रणं लेखनीयम् ।

खण्डः — "द"

21. निम्नलिखितयोः कारिकयोः एकस्याः कारिकायाः व्याख्या करणीया । 4
(क) नानाप्रभेदा नियताः क्वचित् प्रकरणादिना ।
अर्थेऽर्थमन्यं यं वक्ति तद्वाच्यव्यंग्यमिष्यते ॥
(ख) द्वात्रिंशद्द्वादशैकः षट् सर्वसंकलितध्वनेः ।
भेदाः स्युरेकपंचाशत् सम्भिन्नास्तु सहस्रशः ॥
22. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसंग—व्याख्या करणीया । 4
(क) ज्योतिर्लखावलयि गलितं यस्य बर्हं भवानि,
पुत्रप्रेम्णा कुवलयदलप्रापि कर्णे करोति ।
धौतापांगं हरशशिरुचा पावकेस्तं मयूरं,
पश्चादद्रिग्रहणगुरुभिर्गर्जितैर्नर्तयेथाः ॥
(ख) प्राप्यावन्तीनुदयनकथाकोविदग्रामवृद्धान्,
पूर्वोद्दिष्टामुपसर पुरीं श्रीविशालां विशालाम् ।
स्वल्पीभूते सुचरितफले स्वर्गिणां गां गतानाम्,
शेषैः पुण्यैर्हृतमिव दिवः कान्तिमत् खण्डमेकम् ॥
23. अधोलिखितयोः श्लोकयोः कस्यचिदेकस्य सप्रसंग—व्याख्या विधेया । 4
(क) घनः स्पष्टो धीरः समदवृषभस्निग्धमधुरः,
कलः कण्ठे वक्षस्यनुपहतसंचाररभसः ।
यथास्थानं प्राप्य स्फुटकरणनानाक्षरतया,
चतुर्णां वर्णानामभयमिव दातुं व्यवसितः ॥
(ख) हृदय! भव सकामं यत्कृते शंकसे त्वं,
शृणु पितृनिधनं तद् गच्छ धैर्यं च तावत् ।
स्पृशति तु यदि नीचो मामयं शुल्कशब्द—
स्त्वथ च भवति सत्यं तत्र देहो विशोध्यः ॥
-